यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष महामहिम एंटोनियो कोस्टा
और
यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष महामहिम उर्सुला वॉन डेर लेयेन
के सम्मान में आयोजित भोज
में
भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
का अभिभाषण

राष्ट्रपति भवन, 27 जनवरी, 2026

राष्ट्रपति भवन में आप सभी का स्वागत करना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है। आज हमारे बीच European Council तथा European Commission के अध्यक्षों की उपस्थिति और भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उनकी सहभागिता न केवल हमारी मित्रता को दर्शाती है बल्कि भारत और European Union के बीच साझेदारी की गहराई का भी प्रतीक है।

भारत और EU इतिहास, भूगोल और अनुभव की दृष्टि से भिन्न हो सकते हैं किंतु लोकतंत्र, बहुलवाद और rule of law में हमारी साझा आस्था हमें जोड़ती है। हमारे समाज बहुसांस्कृतिक हैं और विविधताओं से समृद्ध हैं। हम दोनों ही लोकतांत्रिक परंपराओं से शक्ति प्राप्त करते हैं। और हम दोनों का यह दृढ़ विश्वास है कि शांति और समृद्धि का सबसे सुनिश्चित मार्ग संघर्ष नहीं, सहयोग है।

देवियो एवं सज्जनो,

भारत आज अपने विकास-पथ के एक महत्वपूर्ण चरण में है। प्राचीन सभ्यता की जड़ों और युवा राष्ट्र की ऊर्जा से प्रेरित होकर, भारत एक ऐसे परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जो महत्वाकांक्षी, समावेशी और भविष्य की ओर उन्मुख है। बीते वर्षों में हमने आर्थिक अवसरों का विस्तार किया है, संस्थानों को सुदृढ़ किया है और technology को जनकल्याण का माध्यम बनाया है। इस यात्रा में EU भारत का एक मूल्यवान और भरोसेमंद साझेदार रहा है।

हमने साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल किया है। आज EU भारत के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारों में से एक है - निवेश, technology और innovation का एक प्रमुख स्रोत है तथा अनेक उभरते क्षेत्रों में एक विश्वसनीय सहयोगी है। हमारी सुरक्षा और रक्षा सहयोग एक आशाजनक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में हमारे सहयोग से हमारे विश्वविद्यालय, प्रयोगशाला और प्रतिभाशाली युवा और निकट आए हैं।

वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में हमारी सोच और वैश्विक दृष्टिकोण समान हैं। हम मानते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव हैं। और हम यह भी मानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमज़ोर नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उनमें सुधार किया जाना चाहिए ताकि वे आज की वास्तविकताओं के अनुरूप ढल सकें।

मुझे विश्वास है कि इस यात्रा के दौरान संपन्न हुए महत्वपूर्ण agreements, जिनमें India-EU Free Trade Agreement, Security and Defence Partnership, तथा Mobility Cooperation Framework शामिल हैं, भारत-EU Strategic Partnership को और सशक्त बनाएंगे।

भारत-EU संबंधों का भविष्य संभावनाओं से परिपूर्ण है। भारत की विकास यात्रा inclusivity और opportunities पर आधारित है। Innovation, सुदृढ़ supply chains, renewable energy, और sustainable economic development को बढ़ावा देने के लिए हम European partners के साथ गहन सहयोग का स्वागत करते हैं। Artificial Intelligence से लेकर semiconductors तक उभरती technologies में हमारा सहयोग एक ऐसे digital भविष्य को आकार दे सकता है, जो मानव-केंद्रित और नैतिक हो।

एक विषय जो मेरे हृदय के अत्यंत निकट है वह है लोगों के बीच संपर्क,
जो भारत-EU संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। Students, scholars, कलाकार और professionals निरंतर ऐसे सेतु बना रहे हैं, जो भौगोलिक सीमाओं और राजनीति से परे हैं। Europe में भारतीय प्रवासी समुदाय आपसी समझ और सहयोग को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

देवियो एवं सज्जनो,

Europe और भारत दोनों ही अपार सांस्कृतिक विविधता से संपन्न हैं। कल कर्तव्य पथ पर और अमृत उद्‌यान में, आपने भारत के विभिन्न पहलुओं की झलक देखी। हमारी समृद्ध कलात्मक विरासत तथा हमारे लोगों की प्रतिभा और कौशल को आपके साथ साझा करना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का अवसर रहा। मुझे आशा है कि आज भी आप भारत की परंपराओं के सुर और स्वाद का आनंद ले पायेंगे।

देवियो एवं सज्जनो,

विश्व के समक्ष चुनौतियाँ जटिल हैं, किंतु अवसर भी उतने ही व्यापक हैं। भारत-EU की साझेदारी संतुलन, स्थिरता और आशा की एक शक्ति के रूप में उभर रही है। साथ मिलकर हम एक ऐसा भविष्य गढ़ सकते हैं जो sustainable, समावेशी, और मानवीय हो। आप दोनों की यह ऐतिहासिक यात्रा, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन्हीं शब्दों के साथ, देवियो एवं सज्जनो, आइए हम सब मिल कर, European Council के महामहिम अध्यक्ष, तथा European Commission की महामहिम अध्यक्ष के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण, तथा भारत और European Union के बीच मित्रता को हमेशा बनाये रखने के लिए, अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करें।

धन्यवाद।